सिंहदेव ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के गिरते स्तर पर जतायी चिंता

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सीजीएमएससी द्वारा दवाई खरीदी में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के प्रकरणों की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता टीएस सिंहदेव ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओ के गिरते स्तर पर गहरी चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने प्रदेश में दवाई खरीदी के लिए निर्मित संस्था छत्तीसगढ़ स्टेट मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन द्वारा दवाई खरीदी में गंभीर अनियमितता एवं भ्रष्टाचार किये जाने की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की है।

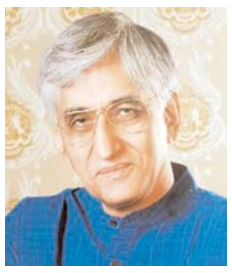

श्री सिंहदेव ने पत्र में लिखा है कि सीजीएमएससी द्वारा विभिन्न स्तरों पर आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले सामने आये हैं, जिनमें ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से दवाई की खरीदी, गुणवत्ताहीन एवं कालातीत होने वाली दवाईयों की खरीदी सहित वित्तीय वर्ष के समाप्ति के समय आनन-फानन में दवाईयों की खरीदी सहित दवाई खरीदी में कमीशनखोरी व घूसखोरी के एक के बाद एक मामले सामने आने के बाद मंत्रालय से लेकर पूरा स्वास्थ्य विभाग सवालों के घेरे में है। विगत दिनों सीजीएमएससी के जनरल मैनेजर को लाखों रूपये रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किया जाना इस बात की पुष्टि करता है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भ्रष्टाचार का स्वरूप और भी व्यापक हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में हुए नसबंदी काण्ड के में गुणवत्ताहीन दवाईयों के इस्तेमाल से दर्जनों महिलाओं की असामाजिक मृत्यु हुई एवं आजपर्यन्त दोषियों पर कोई कार्यवाही भी नहीं हो पाई है। ऐसी घटनाओं से सबक न लेते हुए पुनः वहीं ऐसे मामले प्रकाश में आ रहे हैं, जिससे सरकार की गंभीरता का अनुमान लगाया जा सकता है। प्रदेश के अस्पतालों में जीवन रक्षक व संक्रामक रोगों की प्रतिरोधक दवाईयों एवं आवश्यक उपकरणों का अभाव है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर लगातार गिरता जा रहा है, ऐसे में स्वास्थ्य अमला कैसे काम कर रहा है, यह चिंता का विषय है।

श्री सिंहदेव ने कहा कि एक ओर आम नागरिकों को रियायती दर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पा रही है, दूसरी ओर राज्य सरकार, सरकारी अस्पतालों को पीपीपी मॉडल के माध्यम से प्रायवेट कंपनियों को देने की अलग व्यवथा कर रही है, जो कि औचित्यहीन है। ऐसा होने से स्वास्थ्य सेवाएं गरीब व आम आदमी की पहुंच से और दूर हो जायेंगे एवं निजी अस्पताल द्वारा मुनाफाखोरी भी बढ़ेगी। श्री सिंहदेव ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सीजीएमएससी द्वारा दवाई खरीदी में लगातार हो रहे करोड़ों रूपये के घोटालों की निष्पक्ष, सीबीआई से कराई जावे, ताकि दवाई खरीदी में पारदर्शिता व विश्वनियता बरकरार रहे।

नाबालिग से रेप केस में मिलेगी मौत की सजा!

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा में महिला सुरक्षा को लेकर एक अहम प्रस्ताव पास किया गया, जिसमें नाबालिग से रेप के मामले में मौत की सजा के प्रावधान की मांग की गई है। महिलाओं का पीछा करने को गैर जमानती अपराध बनाने और कड़ी सजा की मांग करने वाले इस प्रस्ताव पर सरकार ने भी सहमति जताई है। विधानसभा में एंटी स्टॉकिंग बिल लाने की बाबत प्रस्ताव पास किया गया, जिस पर सरकार ने गंभीरतापूर्वक विचार करने की बात कही है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने प्रस्ताव के बारे में कहा कि दिल्ली सरकार आईपीसी में संशोधन की मांग करने वाला बिल पेश करेगी। दिल्ली विधानसभा से पारित कराने के बाद इसे मंजूरी के लिए केंद्र के पास भेजा जाएगा। उम्मीद है कि केंद्र इस पर आपत्ति नहीं जताएगा। विधायक सौरभ भारद्वाज के पेश किए गए प्रस्ताव में मांग की गई कि दिल्ली सरकार कानून में संशोधन के लिए बिल पेश करे। उन्होंने कहा कि 12 साल तक की बच्चियों से रेप के मामले में मौत की सजा का प्रावधान होना चाहिए और सदन ने इस पर सहमति जताई है।

एंटी स्टॉकिंग बिल भी बहुत जरूरी है, क्योंकि एक रिपोर्ट में सामने आया है कि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ 83 फीसदी अपराध पीछा करने से जुड़े होते हैं। एंटी स्टॉकिंग बिल के दायरे में महिलाओं का पीछा करना, उन्हें मेसेज, वॉट्सऐप या ईमेल के जरिए परेशान करना भी शामिल होगा।

आप विधायक अलका लांबा ने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि चूंकि पीछा करना अभी जमानती अपराध है, यही कारण है कि अपराधियों में डर नहीं है। उन्हें जमानत मिल जाती है और उसके बाद भी वे बेटियों को परेशान करते रहते हैं और कई मामलों में नतीजे बहुत भयानक होते हैं।

आप महिला संगठन की अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि यह महिला संगठन की एक बड़ी जीत है।

भाजपाईयों को चुन-चुनकर निशाना बना रहे हैं नक्सली

50 से अधिक भाजपाई दे चुके हैं इस्तीफा

बीजापुर (आरएनएस)। भोपालपट्टनम क्षेत्र के पूर्व जिला पंचायत सदस्य तथा पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष जगदीश कोंड्रा की हत्या के पूर्व विगत 2 वर्षों में माओवादियों ने चार भाजपा नेताओं को मौत के घाट उतार दिया है। नक्सली धमकी की वजह से अब तक 50 से अधिक भाजपा नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

जगदीश कोंड्रा के पूर्व और तीन नेताओं की हत्या माओवादियों ने की थी जिसमें ब्लॉक मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर पेटाघोड़ा निवासी पूर्व सरपंच यालम नारायण को 21 अप्रैल 2016 को हत्या कर दी गयी थी। 11 जून 2017 को सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं जिला पंचायत सदस्य मज्जी रामसहाय को संगमपेल्ली में माओवादियों ने मार डाला था। 26 मार्च को हुई जगदीश की मौत के 2 दिन पूर्व माओवादियों ने कई स्थान पर पर्ची फेंककर भारतीय जनता पार्टी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का विरोध भी जताया था और सीधे तौर पर कहा था कि यह लोग कारपोरेट सेक्टर को फायदा पहुंचा रहे हैं। पूर्व की घटनाओं के बाद भाजपा के नेता किसी भी बड़े कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे थे और कई कार्यकर्ताओं व सक्रिय सदस्यों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इन सभी घटनाओं में माओवादियों की स्माल एक्शन टीम के शामिल होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। गौरतलब है कि पूर्व जिला सदस्य जगदीश ने माओवादी भय से ही जिला पंचायत पद से नाता तोड़ा था, किंतु उसके बावजूद भी वह माओवादियों के निशाने पर था। 26 मार्च को माओवादी जगदीश को टारगेट करने के लिए क्षेत्र में सुबह से ही सक्रिय थे और उसके बीजापुर जिले से आने का इंतजार कर रहे थे।

जगदीश पर तीन माओवादियों ने हमला बोला था जो कि सादे वेशभूषा में थे किंतु तीनों ने सफेद और नीली रंग की टी-शर्ट और निक्कर पहने हुए थे।

नक्सलियों ने पूर्व आरक्षक को मार डाला

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के ग्राम मुसकेल में नक्सलियों ने बीती मध्य रात पूर्व आरक्षक बामन मरकाम की धारदार हथियारों से निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी। बामन मरकाम ने नक्सलवाद से तौबा करने के बाद पुलिस की नौकरी भी जॉइन की थी।

बस्तर रेंज के डीआईजी पी. सुंदरराज ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि बामन मरकाम पूर्व नक्सली था और शासन द्वारा चलाई जा रही पुनर्वास नीतियों और विकास कार्यो से प्रभावित होकर उसने नक्सलवाद से तौबा कर ली थी। बाद में उसने एसपीओ के रूप में पुलिस के साथ काम करना शुरू किया था। बामन मरकाम की योग्यता को देखते हुए उसे एसपीओ से आरक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई थी, लेकिन शायद पारिवारिक और दूसरे व्यक्तिगत कारणों के चलते वो लगातार अपनी ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहा था। चार महीने पहले अनुशासनात्मक कार्यवाई करते हुए बामन मरकाम को पुलिस की नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था।

ऑनलाइन ठगी का अपराध पंजीबद्ध

कोरबा (आरएनएस)। इंटरनेट पर अब व्यवसायियों को भी ठग अपना शिकार बनाने लगे हैं। एक स्टेशनरी व्यवसायी ने ऑनलाइन दो अलग-अलग कंपनियों को स्टेशनरी का ऑर्डर किया। इसके एवज में उसने साढ़े पांच लाख रुपए आरोपी के बताए गए बैंक खातों में जमा कराया। निर्धारित समय पर ऑर्डर दिए गए स्टेशनरी नहीं पहुंचने पर पूछताछ करने के लिए मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो स्विच ऑफ मिला। दर्री पुलिस ने ठगी के दो मामले में अपराध पंजीबद्ध किया है।

दर्री थानांतर्गत एचटीपीपी में रहने वाला नीरज कपिलेश पिता रमेश कपिलेश सत्या इंटरप्राइजेज के नाम से टीपी नगर में स्टेशनरी दुकान का संचालन करता है। नीरज ने ऑनलाइन बिजनेस एवं इंडिया मार्ट के माध्यम से जेके कॉपियर्स 900 बाक्स व नौ हजार पेपर रिम का ऑर्डर दिया। इसके लिए उसने कंपनी में काम करने वाले रियाज अहमद से मोबाइल पर बातचीत कर पीटी पेपर्स लिमिटेड पोर्टब्लेयर कंपनी के एसबीआई खाते में तीन लाख चार हजार 800 रुपये जमा कर दिए। इसी तरह नीरज ने बिजनेस एवं इंडिया मार्ट कंपनी में भी रिम्स का ऑर्डर किया। कंपनी के कर्मचारी के बताए मुताबिक एलाइट इंटरप्राइजेज के पश्चिम बंगाल स्थित बैंक खाते में दो लाख 63 हजार रुपये जमा कर दिए। कुल पांच लाख 86 हजार रुपये उसने बेंगलुरु व पश्चिम बंगाल के अलग.अलग कंपनी के बैंक खाते में जमा किया। पैसा जमा करने के बाद कंपनी के जिन कर्मचारियों से उसकी बातचीत हो रही थीए उनका मोबाइल बंद बताने लगा। नीरज ने 19 मार्च को बैंक के खाते में पैसा जमा किया था। मोबाइल बंद बताने पर उसे ठगे जाने का अहसास हुआ। उसने इसकी शिकायत दर्री थाने में की। पुलिस ने इस मामले को साइबर सेल में दे दिया है। साइबर सेल ने मोबाइल नंबर का डिटेल निकालकर घटना की जांच शुरू कर दी है। कंपनियों के खिलाफपुलिस धारा 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना कर रही है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

1- जैनधर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव थे।

2- जैनधर्म के 23 वें तीर्थकार पार्श्वनाथ थे जो काशी के इश्वाकु वंशीय राजा अश्वसेन के पुत्र थे। इन्होंने 30 वर्ष की अवस्था में सन्यास जीवन को स्वीकारा। इनके द्वारा दी गई शिक्षा थी- हिंसा न करना, सदा सत्य बोलना, चोरी न करना तथा संपत्ति न रखना।

3- महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें एवं अंतिम तीर्थकर हुए।

4- महावीर का जन्म 540 ईशा पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक कुल के सरदार थे और माता त्रिशला लिच्छवि राजा चटेक की बहन थी।

5- महावीर की पत्नी का नाम यशोदा एवं पुत्री का नाम अनोज्जा प्रियदर्शनी थी।

6- महावीर के बचपन का नाम वर्द्धमान था। इन्होंने 30 वर्ष की उम्र में माता-पिता की मृत्यु के पश्चात अपने बड़े भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर सन्यास जीवन को स्वीकारा था।

7- 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद महावीर को जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे तपस्या करते हुए संपूर्ण ज्ञान का बोध हुआ। इसी समय से महावीर जिन (विजेता), अर्हत (पूज्य) और निर्ग्रन्थ (बंधनहीन) कहलाए।

8- महावीर ने अपना उपदेश प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा में दिया।

9- महावीर के अनुयायियों को मूलतः निग्रंथ कहा जाता था।

10- महावीर के प्रथम अनुयायी उनके दामाद (प्रियदर्शनी के पति) जामिल बने।

10- प्रथम जैन भिक्षुणी नरेश दधिवाहन की पुत्री चम्पा थी।

11- महावीर ने अपने शिष्यों को 12 गणधरों में विभाजित किया था।

13- आर्य सुधर्मा अकेला ऐसा गन्धर्व था जो महावीर की मृत्यु के बाद भी जीवित रहा और जो जैनधर्म का प्रथम थेरा या मुख्य उपदेशक हुआ।

14- लगभग 300 ईसा पूर्व में मगध में 12 वर्षों का भीषण अकाल पड़ा, जिसके कारण भद्रबाहू अपने शिष्यों सहित कर्नाटक चले गए। किंतु कुछ अनुयायी स्थूलभद्र के साथ मगध में ही रूक गए। भद्रबाहु के वापस लौटने पर मगध के साधुओं से उनका गहरा मतभेद हो गया जिसके परिणास्वरूप जैन मत श्वेताम्बर एवं दिगम्बर नामक दो सम्प्रदायों में बंट गया। स्थूलभद्र के शिष्य श्वेताम्बर (श्वेत वस्त्र धारण करने वाले) एवं भद्रबाहु के शिष्य दिगम्बर (नग्न रहने वाले) कहलाए।

15- जैनधर्म के त्रिरत्न है- 1 सम्यक् दर्शन 2 सम्यक् ज्ञान और 3 सम्यक् आचरण।

16- त्रिरत्न के अनुशीलन में निम्न पांच महाव्रतों का पालन अनिवार्य है- अहिंसा, सत्य वचन, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रम्हाचर्य।

17- जैनधर्म में ईश्वर की मान्यता नहीं है।

18- जैनधर्म में आत्मा की मान्यता है।

19- महावीर पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करते थे।

20- जैनधर्म के सप्तभंगी ज्ञान के अन्य नाम स्यादवाद औन अनेकांतवाद है।

21- जैनधर्म ने अपने आध्यात्मिक विचारों को सांख्य दर्शन से ग्रहण किया।

22- जैनधर्म मानने वाले कुछ राजा थे- उदयिन, वंदराजा, चन्द्रगुप्त मौर्य, कलिंग नरेश खारवेल, राष्ट्रकूट राजा अमोघवर्ष, चंदेल शासक।

23- मैसूर के गंग वंश के मंत्री, चामुण्ड के प्रोत्साहन से कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में 10वीं शताब्दी के मध्य भाग में विशाल बाहुबलि की मूर्ति (गोमतेश्वर की मूर्ति) का निर्माण किया गया।

24- खजुराहों में जैन मंदिरों का निर्माण चंदेल शासकों द्वारा किया गया।

25- मौर्योत्तर युग में मथुरा जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था। मथुरा कला का संबंध जैनधर्म से है।

26- जैन तीर्थकरों की जीवनी भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पसूत्र में है।

स्वास्थ्य

इस तरह करें अपने बालों की ग्रोथ को ज्यादा और रुसी को खत्म!

एक हफ्ते में एक बार बाल को साफ करें। जैसे कि आप अपनी स्किन को साफ रखते है वैसे ही आपको अपनी स्कैल्प को भी साफ रखना चाहिए। अपने सिर की सतह से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटा दे। यह कदम सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद सिर पर आप प्रोड्क्ट को

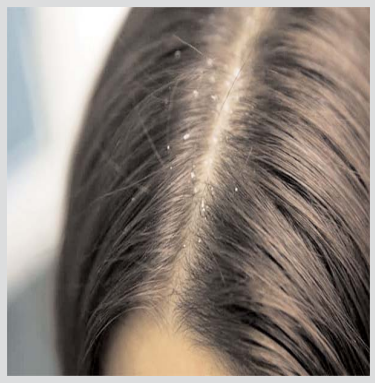

यूज कर सकती है। यदि आपके बाल पतले है और बढ़ नही पा रहें है तो अपने बालों की देखभाल की नियमितता के लिए इन टिप्स को अपनाना होगा। इससे आपके बाल ना सिर्फ बढ़ना स्टार्ट होगे बल्कि आपके बाल शाइनिंग भी होते जाएगें। इसके अलावा, यदि आपके बाल ऑयली हैं, तो यह आपके बालों से अतिरिक्त ऑयल को भी सोख लेगा।

सेंधा नमक

यहाँ हम आपको कुछ आसान और घरेलु उपाय बताएगें।

एक कप हिमालया का पिंक नमक या रॉक नमक, इसमें 1 बड़ा चमचा कच्चा सेब साइडर सिरका, 1 बड़ा चमचा नारियल तेल, 1 चम्मच मैनुका शहद और बाहर के लिए अपने पंसदीदा ऑयल की 15 बूंदों को अपने सिर पर लगाए।

उपयोग करने के लिए, अपने बालों को गीला करें और धीरे-धीरे अपनी उगुंलियों की सहायता अपने सिर पर ऑयल की मसाज करें। इसके बाद 5-10 मिनट तक इसकी मसाज करके इसे धो ले।

कमर दर्द की असरदार दवा है अजवायन, ऐसे करे इस्तेमाल

बहुत से व्यक्तियों को कमर में चोंट लगने के कारण भी दर्द होने लगता हैं. बचपन में कमर के बल गिर जाना या किसी

दुर्घटना का शिकार हो जाना भी इस दर्द की वजह हो सकती है। पीठ दर्द ज्यादातर रीढ़ की हड्डी में हुई किसी समस्या के कारण होता है। तेज कमर दर्द की समस्या अधिक उम्र के पुरुष और महिलाओं में आम है। उम्र बढने के साथ साथ हमारी हड्डियाँ कैल्शियम खोने लगती है जिससे हड्डियाँ कमजोर होने लगती है और कमर दर्द की शिकायत हो जाती है। कमर दर्द की समस्या से निजात पाने के लिए आपको अपनी कुछ आदते बदलनी होगी। अधिकतर लोगो को कमर के मध्य या नीचले भाग में दर्द महसूस होता है। यह दर्द कमर के दोनों और तथा कुल्हो तक भी फ़ैल सकता है। आज हम आपको इस दर्द को दूर करने के कुछ घरेलू उपाय बताएंगे जिसे अपनाकर आप इस समस्या से आसानी से छुटकारा पा सकते है. सोंठ और अरंड मूल का क्वाथ बनाकर पीने से भी कमर का दर्द ठीक हो जाता हैं। कमर के दर्द को ठीक करने के लिए सोंठ और अरंड मूल का क्वाथ बना लें। फिर इसमें पीसी हुई हिंग और काला नमक डालें और इन्हें अच्छी तरह मिला लें। अब इसका सेवन करें। सोंठ और अरंड मूल के क्वाथ का सेवन करने से आपको कमर के दर्द से छुटकारा मिलेगा। शरीर के किसी भी भाग मे दर्द होने पर लहसुन का प्रयोग सबसे अधिक किया जाता है, क्योकि लहसुन मांसपेशियो मे से दर्द खीचने का काम करता है। इसलिए यदि आपके कमर मे दर्द है तो भोजन में लहसुन का प्रयोग करें। लहसुन के प्रयोग से पुराना कमर दर्द भी ख़त्म हो जाता है।

कम होती आंखों की रोशनी को इन तरीकों से करें तेज

घंटो कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से हमारी आंखों पर इसका सीधा असर दिखाई देता है जिसकी वजह से हमारी आखों

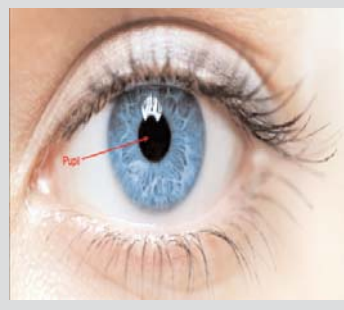

की रोशनी कम होने लगती है। कई बार गलत खान-पान की वजह से भी इसका सीधा असर हमारी आंखो पर पड़ता है। जिसके लिए आप इस परेशानी को दूर करने के लिए आईड्रॉप का इस्तेमाल अपनी आंखों के लिए करते है। लेकिन हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाय बताएगे जो आपकी इस परेशानी को आसानी से दूर कर देगे।